an>

Title: Regarding shortage of teachers in primary schools in the country.

श्री सुल्तान अहमद (उलुबेरिया) : मैडम, धन्यवाद। देश का शिक्षा विभाग पिछले सात महीने से मुख्तलिफ कंट्रोवर्सी का शिकार हुआ है। कभी संस्कृत को लेकर, कभी जर्मन को लेकर, क्रिसमस की छुट्टी को बंद करने के कारण, लेकिन जो देश में असल मुद्दा है, तकरीबन 6 लाख प्राइमरी टीचर्स की जगह खाली है, देश में स्कूलों के जो हालात हैं, हम स्वच्छ भारत अभियान चला रहे हैं, स्कूलों में टॉयलेट्स की बात कर रहे हैं, लेकिन अगर स्कूल में शिक्षक न रहें, तो स्कूल चलेगा कैसे? आज भी चाहे वह गुजरात हो, बंगाल हो, उत्तर प्रदेश हो, स्कूल में बच्चे जाते हैं, वहाँ टीचर्स नहीं होते हैं तो वे वापस आ जाते हैं।

मिड-डे-मील का भी हाल वही है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक ही विषय बोलिए। यह स्टेट मैटर है।

श्री सुल्तान अहमद : 6 लाख प्राइमरी टीचर्स और साढ़े तीन लाख अपर प्राइमरी टीचर्स की कमी है। सदन में वैंकैय्या नायडू जी उपस्थित हैं, मैं कहना चाहूँगा कि गवर्नमेंट आफ इंडिया एक टाइम फ्रेम बनाये कि इन 6 लाख और साढ़े 3 लाख टीचर्स के बगैर स्कूल नहीं चल सकते हैं। जिस तरह हम मुख्तलिफ नाम से अभियान बनाते हैं, इसका भी टाइम फ्रेम बनाकर, जिन स्कूलों में टॉयलेट्स नहीं हैं, शौचालय नहीं हैं, आपने उसके लिए प्लान किया है, लेकिन बगैर टीचर के, शिक्षक के स्कूल नहीं चल सकता है। राइट टू एजुकेशन वर्ष 2010 में लागू हुआ है। लेकिन यह सिर्फ नाम का है, इस पर काम नहीं हो रहा है। मैं अपने पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर से कहूँगा कि वे इस पर कुछ कहें।

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

श्री एंटो एंटोनी।